



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 635 ]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 27, 2000/आश्विन 5, 1922

No. 635 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 27, 2000/ASVINA 5, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2000

आय-कर

का.आ. 894(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 115 जख की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (उन्नीसवां संशोधन) नियम, 2000 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आयकर नियम, 1962 में,-
- (क) भाग VII के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-
- “भाग VII ख

[40 ख. कतिपय कंपनियों द्वारा कर के संदाय के लिए विशेष उपबंध

किसी लेखापाल की ऐसी रिपोर्ट, जिसे किसी निर्धारिती द्वारा धारा 115 ज ख की उपधारा (4) के अधीन आय विवरणी के साथ प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है, प्ररूप सं० 29ख में होगी।”,

(ख) परिशिष्ट II में प्ररूप सं० 29क के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

“प्रस्तुत सं0 29 ख

[नियम 40 ख देखिए]

कंपनी के खाता लाभ की संगणना के लिए आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115 ज ख के अधीन रिपोर्ट  
1. मैने/हमने\* ..... जो..... कारबार में लगे हैं, के

(निर्धारिती का नाम और पता स्था.खाते के साथ) (कारबार की प्रकृति)

खातों और अभिलेखों की 31 मार्च..... को समाप्त हुए वर्ष के दौरान खाता लाभ निकालेके लिए परीक्षा कर ली है।

2. (क) मैं/हम\* यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं\* कि खाता लाभ की संगणना इस धारा के उपबंधों के अनुसार की गई है।  
निर्धारण वर्ष..... की बाबत, आयकर अधिनियम की धारा 115 ज ख के अधीन संदेय कर.....रूपए है, जिसे इस प्रस्तुत के उपाबंध के में दिए गए ब्यौरों के आधार पर अवधारित किया गया है।”

3. मेरी/हमारी\* राय में और मेरी/हमारी\* सर्वोत्तम जानकारी और मुझे/हमें\* दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपाबंध के में दी गई विशिष्टियां सत्य और सही हैं

हस्ताक्षरित  
+लेखापाल

टिप्पण:

1. \* जो लागू न हो, उसे कोट दें-

2. +यह रिपोर्ट

- (i) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ में किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा ; या
- (ii) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो किसी राज्य के संबंध में, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के आधार पर, उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कंपनियों में लेखा परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्ति का हकदार है, दी जानी है।

3. जहां इस रिपोर्ट में कथित किसी बात का उत्तर नहीं में या किसी अर्हता के साथ दिया जाता है, वहां रिपोर्ट में उसका कारण भी दिया जाएगा।

उपाबंध क

(पैरा.....देखिए)

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115 ज ख के प्रयोजनों के लिए खाता लाभ की संगणना से संबंधित ब्यौरे

1. निर्धारिती का नाम
2. पते की विशिष्टियां
3. स्थायी खाता संख्यांक
4. निर्धारण वर्ष
5. आयकर अधिनियम के अधीन कंपनी की कुल आय
6. कुल आय पर संदेय आयकर
7. क्या लाभ और हानि लेखा कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की अनुसूची VI के भाग II और भाग III के उपबंधों के अनुसार तैयार किया गया है ?

हां/नहीं

8. क्या ऊपर स्तंभ 7 में निर्दिष्ट लाभ और हानि लेखा तैयार करने में लाभ और हानि लेखा तैयार करने की उन्हीं लेखा नीतियों, लेखा मानकों को और अवयवक्षण की संगणना के लिए उसी दर पद्धति को अपनाया गया है, जो कंपनी के वार्षिक साधारण अधिवेशन में उसके समक्ष रखे गए लेखाओं को तैयार करने के लिए अपनाई गई ? यदि नहीं तो अंतर की सीमा और प्रकृति विनिर्दिष्ट करे।

हां/नहीं

9. ऊपर ( 7 ) में निर्दिष्ट लाभ और हानि लेखा के अनुसार शुद्ध लाभ
10. लाभ और हानि लेखा में यथा दर्शाई गई और इस धारा की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के खंड (क) से (च) तक में निर्दिष्ट राशियों द्वारा बढ़ाई गई शुद्ध लाभ की रकम (जहां अपेक्षित हों, कार्यकरण पृथक रूप से फाइल करें)
11. मद 10 में यथा निर्दिष्ट और इस धारा की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के खंड (i) से (vii) तक में निर्दिष्ट राशियों को घटाने पर रकम (जहां अपेक्षित हो कार्यकरण पृथक रूप से फाइल करें )
12. उपधारा (2) में दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार यथा संगणित खाता लाभ
13. ऊपर 12 में यथा संगणित 'खाता लाभ' का 7.5%
  
14. यदि क्रम सं. 6 पर यथानिर्दिष्ट, कंपनी द्वारा संदेय आय-कर स्तंभ 12 में दर्शित इसके खाता लाभ के साथे सात प्रतिशत से कम है, तो उस दशा में कंपनी द्वारा संदेय आयकर की रकम स्तंभ 12 का 7.5% अर्थात् (13) के अनुसार होगी।"

[ अधिसूचना नं. 11524/फा. सं. 142/41/2000-टी पी एल ]

शिखा दरबारी, अवर सचिव

**टिप्पण :**—मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969 तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और आय-कर (सोलहवां संशोधन) नियम, 2000 अधिसूचना सं. का.आ.806(अ) तारीख 6-9-2000 द्वारा संशोधित किए गए।

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**  
**(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th September, 2000

**INCOME-TAX**

**S.O. 894(E).**—In exercise of powers conferred by Section 295, read with sub-section (4) of section 115JB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Nineteenth Amendment) Rules, 2000.  
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  
2. In Income-tax Rules, 1962,-  
 (a) the following shall be inserted, namely,-  
 after PART, VIIA,  
 " **PART VIIB**  
 [40B Special provision for payment of tax by certain companies

The report of an accountant which is required to be furnished by the assessee along with the return of income, under sub-section (4) of section 115JB shall be in Form No 29B.”;

- (b) in Appendix II, after FORM NO. 29A the following shall be inserted, namely.—

“FORM NO. 29B  
[See rule 40B]

**Report under section 115 JB of the Income-tax Act, 1961  
for computing the book profits of the company**

1.I/We\*have examined the accounts and records of .....  
.....engaged in business of.....,  
(name and address of the assessee with PAN) (nature of business)

in order to arrive at the book profit during the year ended on the 31st March, .....

2. (a) \*I/We certify that the book profit has been computed in accordance with the provisions of this section. The tax payable under section 115JB of the Income-tax Act in respect of the assessment year ..... is Rs. ...., which has been determined on the basis of the details in Annexure A to this Form.

3. In my/our\* opinion and to the best of my/our\* knowledge and according to the explanations given to me/us\* the particulars given in the Annexure A are true and correct.

Date .....

.....  
Signed  
†Accountant

Notes:

1. \*Delete whichever is not applicable.

2. †This report is to be give by -

- (i) a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
- (ii) any person, who in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

3. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

ANNEXURE A  
[See paragraph .....]  
**Details relating to computation of Book Profits for the purposes  
of section 115JB of the Income-tax Act, 1961**

1. Name of the assessee
2. Particulars of address
3. Permanent Account Number
4. Assessment Year
5. Total income of the company under the Income tax Act
6. Income tax payable on total income
7. Whether Profit and Loss Account is prepared in accordance with the provisions of parts II and III of Schedule VI to the Companies Act, 1956 (1 of 1956)

Yes/No

8. Whether the Profit and Loss Account referred to in column 7 above has followed the same accounting policies, accounting standards for preparing the profit and loss account and the same method of rates for calculating depreciation as have been adopted for preparing accounts laid before the company at its annual general body meeting? If not, the extent and nature of variation be specified.

9. Net Profit according to Profit and Loss Account referred to in (7) above
10. Amount of net profit as shown in Profit and Loss Account as increased by the amounts referred to in clauses (a) to (f) of explanation of sub-section 2 of this section (File working separately, where required).
11. The amount as referred to in item 10 as reduced by the amounts referred to in clauses (i) to (vii) of explanation of sub-section 2 of this section. (File working separately, where required).
12. Book profit as computed according to Explanation given in sub-section (2)
13. 7.5% of 'book profits' as computed in 12 above
14. In case Income tax payable by the company referred to at Sl. No.6 is less than seven and one half percent of its book profits shown in column 12, the amount of Income tax payable by the company would be 7.5% of column 12 i.e. as per (13)

[Notification No. 11524/F.No. 142/41/2000-TPL]

SHIKHA DARBARI, Under Secy

**Note :** The principal rules were published vide Notification No.S.O. 969 dated 26.3.1962 amended by Income tax (Sixteenth Amendment) Rules, 2000 vide Notification S O. No.806(E) dated 6.9.2000

2627/11/2000-2

